गुरुमाई चिद्विलासानन्द द्वारा लिखित पुस्तक

अन्तर-शुद्धि के सोपान

उद्धरण १९

बाबा मुक्तानन्द ने कहा है, "शास्त्रों ने और सन्तों ने ऐसे अनेक उपाय बताए हैं जिनके द्वारा आत्मा को जाना जा सकता है। इन सबमें, मन्त्र-जप को उच्चतम मार्ग कहा गया है।"

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

गुरुमाई चिद्विलासानन्द, *अन्तर-शुद्धि के सोपान : दिव्य सद्गुणों का योग* अध्याय ४ "ज्ञान में दृढ़ता," से उद्धृत [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१३], पृ. ५३।